Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 21st December 2019 Shift 1 T2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2019-12-21 14:00:59
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	2549891958
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892602
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892615
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 25498928765 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	2549891959
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892603
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892616
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 25498928766 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

पूर्वी घाट के दूरदराज के गांवो में जनजातीय समुदायों के पास अब एक साधारण जल व्यवस्था के कारण चौबीसों घंटे पानी रहता है जिसके लिए बिजली की जरूरत नहीं होती है। गोंडीपाकालु आंध्र प्रदेश पूर्वी घाट का एक सुदूर आदिवासी गांव है। इस दुर्गम और पर्वतीय इलाके की वनाजाक्षी और कई अन्य लडकियां पास की जलधाराओं से पानी लाने के लिए हर दिन पहाडियों की चढाई करने के लिए मजबूर थीं। ये रास्ते बारिश के दौरान रास्ते फिसलन भरे हो जाया करते थे। लेकिन अब, नर्सीपटनम में स्थित विशाखा जिला नव निर्माण समिति की बुद्धिमानी के कारण इस क्षेत्र की विशेष भौगोलिक स्थिति का उपयोग जलापूर्ति की प्रणाली निर्माण करने में किया गया है और इसलिए अब ये लडकियां पुन: अपने विद्यालयों में पढाई के लिए जा पाती हैं। यह प्रणाली गुरूत्वाकर्षण के सरल सिद्धांत पर कार्य करती है। यहां, स्त्रोत से पानी को तीन चैम्बर वाले वितरण टैंक में भेजा जाता है, जहां रेत, बजरी और कंकड की परतों वाली निस्पंदन प्रणाली का उपयोग करके इसे फिल्टर किया जाता है। पाइपों का उपयोग करके इन टैंकों से क्षेत्र के विभिन्न भागों में गलाए स्टैंडपोस्ट या नलों से पानी की जाती हैं। औसतन, इस घरों के लिए एक स्टेंडपोस्ट होता है। ये पाइप स्त्रोत से स्टैंडपोस्ट तक दो से ढाई किलोमीटर तक की दूरी तक जाते हैं। चिंतपल्ली मंडल के एक गाँव पाकाबू में, साठ घरों के लिए सात स्टैंडपोस्ट हैं। इसके अलावा, इनमें से प्रत्येक स्टैंडपोस्ट में अपवाह में जल को अवशोषित करने के लिए सोख्ता गड्ढों का उपयोग किया जाता हैं। यह जल प्रणाली अद्ि◌्वतीय है क्योंकि इसमें बिजली की आवश्यकता नहीं होती है। इस सरल प्रणाली ने सुदूर आदिवासी गांवों में चौबीसों घंटे पानी की करने में मदद की। इन क्षेत्रों में झरने पहाडियों के शीर्ष पर पाए जाते हैं। आमतौर पर, महिलाए स्त्रोत बिंदु तक जाती थीं और पानी लाती थीं, वहां कपडे धोती थीं, स्नान करती थीं, जिससे स्त्रोत पर ही जल प्रदूषित हो जाया करता था। चूंकि ये झरने पहाडियों के शीर्ष पर स्थित है और समुदाय नीचे की ओर रहते हैं, इसलिए बीजेएनएनएस ने नीचे रहने वाले लोगों के लिए पानी लाने के लिए गुरूत्वाकर्षण की सरल अवधारणा का उपयोग करने का फैसला किया। बीजेएनएनएस ने तीन मंडलों– चिन्तपल्ली, जीके वीधी और कोयरू में पचास जल प्रणालियों का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। इनमें से प्रत्ण्येक इकाई का निर्माण श्रमदान और ग्राम निधि की गांधीवादी अवधारणाओं के अनुरूप किया गया था, जहां समुदाय के पुरूष और महिलाएं दोनों निर्माण और रखरखाव में सक्रिय रूप से शामिल हैं। केवल कुशल राजमिस्त्री को ही मजदूरी का भुगतान किया जाता है। इन इकाईयों के रख–रखावे के लिये समुदाय में जल समिति का गठन किया गया है। समिति के सदस्य वी. कोडम्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह समिति महीने में एक बार बैठक कर स्वच्छता और स्वास्थ्य कारिता प्रथाओं के साथ–साथ रख–रखाव के मुद्दों के लिए हर महीने प्रति घर दस रूपए एकत्रित करती है। समिति का स्थानीय डाकघर में बचत खाता हैं।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes